

04/10/22

कमील पहाकरान हाजिर। पगपली वास्तै किरक
पेशा हुरे। प्रकथ मे प्रतिवादी नै. 2, 3, 4, 5, 11, 12
13, 14, 15, 16, 17, 18 जाति हाथियमा तं 9
स्वेत रुपहिना होकर प्रां पर बाबत राजीनामा

प्रस्ताव कर किरक किना गला है कि "पराकार
का आपत मे लोक कालत की भावना से राजीनामा हो

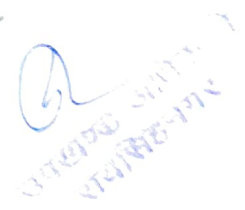
गला है। प्रतिवादीमे के पिता/सादा कनीराम पुत्र कमील
जाति हाथी कारा/दिनांक 08/01/1934 को एक रजिस्टर्ड

अपनामा चक्र 3/MC पुराना नमा चक्र 85 LNP

15 पुराना, नमा क्र. नै. 14 के कि. नै. 14/253, 15/253, 253

कुल 1-0/2 के प्राति प बीबा नहरी अग्नि का वागेंड
के पत्र के कलकाया वा। अपना के आधार पर वागेंड

P-100



के नाम से राजस्व रिमाई में नामानाउ नवीं ही
 सगा था। इस नाम परतमान में जमाना में परिवार/गुड
 के नाम से ही है। अतः दिनांक ०८/०१/१९७५ के
 आधारे पर खरीदार नामस्वरूप पुत्र अजलाल कानिका
 पुत्र अजलाल के नाम से राजस्व रिमाई में अनाउ
 कर दिया जावे तो परिवार/गुड के कोई एतनाज नवीं ही
 खरीद की गई अथवा का कल्या काहा वारीगुड के
 पास खरीद के ताल से चला आ रहा है।"

वकील उमरफरा द्वारा अपनी भदस में
 इसकारण की सहजति एक परिवार/गुड के तालिका
 अतः अतः आधारे पर खरीदार का
 खरीदार वीरिण कए राजस्व रिमाई में अतः
 प्रान्त करने के आदेश पालित करने हेतु निर्देश
 किया।

परवली का खरीदार किना वारीगुड द्वारा
 अतः आधारे पर खरीदार वीरिण का वीरिण
 पैरा किना गुणु है। अतः में अतः की सहजति
 अतः की गई है, अतः अतः नवीं ही,
 नर ही (मिलाक अतः अतः किना गुणु है)
 परन्तु अतः में परिवार/गुड द्वारा अतः किना
 ऐन अतः आधारे पर नामानाउ नवीं ही
 के तालिका की अतः करती है वारीगुड के खरीदार
 वीरिण करने हेतु सहजति की है। निर्देश किना
 अतः अतः अतः आधारे पर नामानाउ
 किना नाम से सहजति की अतः वारीगुड द्वारा अतः
 अतः में वारीगुड के अतः की ही ही
 जाना अतः नवीं ही परन्तु परिवार/गुड अतः
 अतः की अतः कर लिया अतः के अतः
 अतः कोई अतः का निर्देश अतः जाने की
 अतः अतः नवीं ही रह गयी है अतः - अतः

श्रीराम हुक्म
 श्रीराम हुक्म

अतः

व
म.ज
री

हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम, जो इस हुकम की तामी में जारी हुए
------	-----------------------------------	---

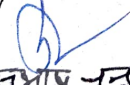
की माल में बंजरगाथा भाषार पर वारीगड के
नाम से राजस्व रिमाई में वापानाकफ्त फुल
किए जाने के आदेश दिया जाका इतिहास

लिखाजा उम्मा विवेकन के आधार
पर प्रतिवादीगड की ओर से प्रस्तुत राजकीय
के आधार पर आदेश दिया जाता है कि-

" तहसीलदार राजसिंहनगर वारीगड द्वारा
विवादित करी पुराना नक डामल क्र.ने-64 परमाणु
नक 85 LMP क्र.ने. 14 क्रि.ने. 14 ता. 15 में 1.0/2000
शुद्धि लाभात बंजरगाथा क्रिंक 08.01.1974 प्रस्तुत
करने पर निजामुसपर प्रक्रिया अपनानी हुए प्रेषित
असल की जॉय कर पूर्व जॉय उपरान्त वारीगड
के नाम से करी राजस्व रिमाई में आवेइए
द्वन करने की आज्ञावाही करें। वारीगड को आदेशित
किया जाता है कि वे निर्दिष्ट की दिनांक से एक माह
की अवधि के भीतर तहसीलदार राजसिंहनगर
के समक्ष आवेइए प्रस्तुत करें।"

इसी अनुसार फर्मा (खी जाये ही)

निर्दिष्ट तारीख द्वारा आज दिनांक 01/10/2022 को
लिखवाला जाकर मुबली न्यायालय में सुनाया गया
पत्रावली केसल में सुनए दीकर हाजिल
दस्तावे


(सुभाष चन्द्र) R.A.S.
उपखण्ड अधिकारी
राजसिंहनगर